बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC)

निबंध (Essay)

300 अंक, 3 घण्टे

BPSC मुख्य परीक्षा में नया बदलाव

चुनौतियाँ एवं समाधान

★ KGS ★

BPSC

मुख्य परीक्षा

सामान्य अध्ययन (GS)
2 पेपर × 300 = 600 अंक

निबंध (1 पेपर) (300 अंक)
(3 निबंध पूछने की संभावना है)

सामान्य अध्ययन (GS)
पेपर I (300 अंक)

तीन खण्ड (कुल 15 प्रश्नों में से 8 प्रश्नों का उत्तर देना है)

1. **भारत का आधुनिक इतिहास एवं संस्कृति**
   (कुल 6 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों को लिखना हैं। प्रत्येक प्रश्न 38 नम्बर का है)
   (3×38= 114 अंक)
2. **राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाएँ**
   (कुल 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों को लिखना हैं। प्रत्येक प्रश्न 38 नम्बर का है)
   (3×38= 114 अंक)
3. **सांख्यिकी विश्लेषण, आरेखन और चित्रण**
   (कुल 4 प्रश्नों में से किन्हीं 2 प्रश्नों को लिखना हैं। प्रत्येक प्रश्न 36 नम्बर का है)
   (2×36= 72 अंक)

सामान्य अध्ययन (GS)
पेपर II (300 अंक)

तीन खण्ड (कुल 12 प्रश्नों में से 8 प्रश्नों का उत्तर देना है)

1. **भारतीय राज्य व्यवस्था**
   (कुल 4 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों को लिखना हैं। प्रत्येक प्रश्न 38 नम्बर का है)
   (3×38= 114 अंक)
2. **भारतीय अर्थव्यवस्था और भारत का भूगोल**
   (कुल 4 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों को लिखना हैं। प्रत्येक प्रश्न 38 नम्बर का है)
   (3×38= 114 अंक)
3. **भारत के विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका और प्रभाव**
   (कुल 4 प्रश्नों में से किन्हीं 2 प्रश्नों को लिखना हैं। प्रत्येक प्रश्न 36 नम्बर का है)
   (2×36= 72 अंक)

KGS

निबंध लेखन (ESSAY WRITING)

(निबंध लेखन की तकनीक पर विशेष विवेचन)

निबंध लेखन का वह रूप है जिसमें किसी विषय का विचारपूर्वक एवं रोचक पद्धति से सुसम्बद्ध, रचनात्मक एवं तर्कपूर्ण प्रतिपादन किया जाता है।

अनुदेश (Instruction)

"उम्मीदवार की विषय-वस्तु की पकड़, चुने गए विषय के साथ प्रासंगिकता, रचनात्मक तरीके से सोचने की उसकी योग्यता और विचारों को संक्षेप में युक्तिसंगत और प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करने की तरफ परीक्षक विशेष ध्यान देंगे।"

"Examiners will pay special attention to the candidate's grasp of his material its relevance to the subject chosen, and to his ability to think constructively and to present his ideas concisely, logically and effectively."

- लिखे जाने वाले विषय पर अच्छी पकड़ हो।
- लेखन विषय-वस्तु के साथ प्रासंगिक हो अर्थात् विषय-वस्तु से संबंधित विभिन्न पक्षों का विस्तार करें, न कि किसी गैर-प्रासंगिक पक्ष का।
- विचार रचनात्मक हो अर्थात् केवल निषेधात्मक पक्षों को न लिखें, बल्कि उस विषय के भावात्मक एवं सृजनात्मक पक्षों को भी विस्तार दें।
- प्रस्तुतीकरण संक्षिप्त, युक्तिसंगत एवं प्रभावी हो।
- युक्तिसंगत का आशय है कि आप जो भी लिखें, उसके पीछे समुचित आधार हो।

स्पष्टीकरण

- विषय-वस्तु की पकड़
- लिखे जाने वाले विषय की अच्छी समझ हो।
- मुख्य विषय का मूल भाव समझ में आ रहा हो।
- विस्तार से विषय-वस्तु के विभिन्न पक्षों की समझ हो।
- निबन्ध में प्रयुक्त शब्दों का अर्थ बिल्कुल स्पष्ट हो।

प्रासंगिकता

- लेखन विषय-वस्तु से संबंधित हो।
- गैर-प्रासंगिक पक्षों का उल्लेख न करें।
- जो लिखा जाए उसका प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से संबंध विषय-वस्तु से हो।

  जैसे-यदि निबंध का विषय समस्या-प्रधान है तो फिर निबंध को लिखते समय निम्नलिखित पक्षों को ध्यान में रखना चाहिए:-

  - समस्या का स्वरूप
  - समस्या का प्रभाव- जीवन के विभिन्न क्षेत्रों यथा सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन पर, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर।

KGS

- समस्या का कारण
- समस्या को दूर करने के लिए किए गए प्रयास/उपाय
- क्या किया जाना चाहिए, क्या करना होगा
- नए व्यावहारिक उपाय (नवाचार)

रचनात्मक तरीके से सोचने की योग्यता

- विषय से संबंधित भावात्मक एवं सृजनात्मक पक्षों को लिखेंगे।
- अतिवादी दृष्टिकोण से बचेंगे।
- नकारात्मक पक्ष के साथ-साथ सकारात्मक पक्ष को भी लिखें। गुण और दोष दोनों की चर्चा करें।
- रवैया या प्रवृत्ति सकारात्मक हो।
- आशावादी दृष्टिकोण रखें चाहे समस्या जितनी भी गंभीर एवं व्यापक हों।

संक्षेप में

- व्यर्थ में विस्तार न दें।
- एक ही बात को बार-बार बदलते हुए न लिखे।

युक्तिसंगत

- आप जो भी लिखे उसके पीछे पर्याप्त आधार हो।
- या तो कुछ आधारों पर किसी मत को सिद्ध करें (Inductive Method) या किसी स्वीकृत तथ्य या अवधारणा के आधार पर अन्य पक्षों को निगमित करें। (Deductive method)

प्रभावी तरीका

- मुहावरें, लोकोक्ति, किसी विख्यात कवि, लेखक या व्यक्तित्त्व का विचार लिखना
- प्रभावी बनाने के लिए विद्वानों के मंतव्य, कविताओं, सूक्तियों या उद्धरणों का प्रयोग करना चाहिए।
- क्रमबद्धता एवं तारतम्यता का होना आवश्यक है।
- संस्कृतनिष्ठ भाषा न हो।
- उर्दू के शब्दों का भी प्रयोग कर सकते हैं।
- प्रभावी शब्दों एवं सारगर्भित विचारों से निबंध को जोड़े।
- व्यापक फलक प्रदान करें।

KGS

BPSC

मुख्य परीक्षा

निबंध (Essay)
प्रश्न पत्र-III (300 अंक)

संभावित विषयवस्तु

- नैतिक एवं दार्शनिक निबंध
- परिकल्पनात्मक निबंध
- सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक मुद्दों से संबंधित निबंध
- साहित्य, सभ्यता एवं संस्कृति से संबंधित निबंध
- पर्यावरण, पारिस्थितिकी, आपदा प्रबंधन एवं नवीन प्रौद्योगिकी से संबंधित निबंध
- नारी / लिंग समानता / महिला सशक्तिकरण से संबंधित निबंध
- राष्ट्रीय मुद्दों, वैश्विक व्यवस्था एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों एवं नीतियों से संबंधित निबंध
- मूल्य, मानवता एवं शिक्षा संबंधित निबंध
- बिहार की समस्याओं एवं समाधान तथा सम्भावनाओं से संबंधित निबंध

कुछ संभावित निबंध

- बिहार में बाढ़ : कारण, स्वरूप एवं निदान
- बिहार में पर्यटन : संभावना, चुनौतियाँ एवं समाधान
- बिहार में महिला सशक्तिकरण : नये उपाय
- बिहार की गौरवशाली परम्परा : संरक्षण के उपाय
- बिहार की प्रमुख सामाजिक समस्याएँ : कारण एवं निदान
- बिहार में विकास की संभावनाएँ, चुनौतियाँ एवं समाधान
- बिहार का आम बजट : 2023 - लक्ष्य एवं चुनौतियाँ
- युवा और बुद्धिजीवी ही नये बिहार का निर्माण कर सकते हैं।
- बिहार में स्टार्टअप की संभावनाएँ, चुनौतियाँ एवं समाधान
- अगर मैं बिहार का मुख्यमंत्री होता!
- नई शिक्षा नीति : भविष्य के निर्माण का द्वार
- भारतीय संस्कृति : विविधता में एकता
- विज्ञान एवं धर्म-परस्पर विरोध या पूरकता
- कृत्रिम बुद्धि : भविष्य का द्वार
- परमार्थ में ही मानव जीवन की सार्थकता है।
- रचनात्मक चिंतन सफलता का प्रथम सोपान है
- पर्यावरण, विकास एवं विस्थापन
- सोशल मीडिया : वरदान या अभिशाप
- जो लोग अतीत से सबक नहीं लेते, वो इसे दोहराने का अपराध करते हैं।
- धरती के नीचे की जड़ें शाखाओं को फलदार बनाने के लिए किसी पारितोषिक का दावा नहीं करती। - रवीन्द्रनाथ टैगोर
- 'सभी भटकने वाले खो नहीं जाते।'
- छप्पर मरम्मत करने का समय तभी होता है, जब धूप खिली हुई हो।
- आर्थिक समृद्धि हासिल करने के मामले में वन सर्वोत्तम प्रतिमान होते हैं।
- जहाज बन्दरगाह के भीतर सुरक्षित होता है, परन्तु इसके लिए वह तो होता नहीं है।
- ग्रीन हाइड्रोजन : भविष्य की ऊर्जा का स्रोत

KGS